टिप्पणियाँ

# 5

# पर्यटन के लिए परिवहन

परिवहन पर्यटन गतिविधियों के आवश्यक अंगों में से एक है। परिवहन और पर्यटन-विकास के बीच बहुत गहरा संबंध है क्योंकि यह पर्यटन के विकास में अहम योगदान देता है। यह मानव के भौतिक, सामाजिक और आर्थिक विकास को समृद्ध करता है। यह भौतिक बाधाओं को समाप्त कर दूरी पर विजय प्राप्त करता है और पृथ्वी की सतह पर मानव के भ्रमण की इच्छा को पूरा करता है। यह पर्यटन के उद्‌गम तथा गंतव्य स्थानों के बीच कड़ी का काम करता है। विभिन्न प्रकार के परिवहनों के कारण मानव राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय स्तर की यात्रा कर पा रहा है। लाखों यात्रियों को सुरक्षित, शीघ्र एवं आराम से उनके गंतव्य स्थानों तक कम किराये में पहुँचाया जा रहा है। वास्तव में, परिवहन और उससे संबंधित सुविधाएँ बड़े पैमाने पर मानव को गतिशीलता प्रदान कर रहा है।

इस पाठ में, हम परिवहन प्रणाली और परिवहन एवं पर्यटन के बीच अंतरसंबंध, भारत में परिवहन के साधनों तथा पर्यटन प्रोत्साहन में इसकी भूमिका के विषय में पढ़ेंगे।

## उद्‌देश्य

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात आप :

- परिवहन तथा इसके विभिन्न साधनों का वर्णन कर सकेंगे;
- परिवहन एवं पर्यटन के बीच संबंधों की पहचान कर सकेंगे;
- पर्यटक परिवहन की विशेषताओं की चर्चा कर सकेंगे;
- भारत में पर्यटन में संलग्न परिहवन के साधनों की पहचान कर सकेंगे;
- पर्यटन परिवहन संचालन पर चर्चा कर सकेंगे और
- पर्यटन को बढ़ावा देने में परिवहन की भूमिका का वर्णन कर सकेंगे।

टिप्पणियाँ

## 5.1 परिवहन की अवधारणा

ट्रांसपोर्ट शब्द लैटिन भाषा के शब्द ट्रांस से लिया गया है जिसका अर्थ 'बंदरगाह के पार' होता है। इसलिए व्यक्तियों या वस्तुओं का एक स्थान से दूसरे स्थान पर आना-जाना परिवहन कहलाता है। प्रत्येक यात्री को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए परिवहन की आवश्यकता होती है। परिवहन यात्रियों को उनके स्थान से उनके गंतव्य स्थान पर पहुँचाने में सहायक होता है। इन दोनों के मध्य परिवहन है। परिवहन के विभिन्न माध्यम होते हैं जैसे सड़क परिवहन, रेल परिवहन, जल परिवहन, वायु परिवहन। प्रारंभ में रेल या जल परिवहन की तुलना में सड़क परिवहन ज़्यादा लोकप्रिय था। यात्रियों के लिए, राज्यों ने इन सड़क मार्गों पर विशेष ध्यान दिया है और कुछ महत्वपूर्ण सुविधाओं का विस्तार किया है। यात्रियों के गंतव्य स्थानों तक की दूरी मापने के लिए कॉस मिनारों का निर्माण किया था (चित्र 5.1)। उसमें से कुछ अभी भी पाए जाते हैं। यात्रियों के लिए सड़कों के दोनों किनारों पर पेड़ लगाए गए और पानी पीने के लिए कुएँ बनाए गए, जिससे यात्रियों को गर्मी और प्यास से बचाया जाए। इसके अतिरिक्त मार्गों में सरायों का (रिहाइस) का निर्माण किया गया था।

चित्र 5.1: कॉस मिनार

उन दिनों यात्री ज़्यादातर पैदल ही यात्रा करते थे। जब सम्राट जहाँगीर (सन् 1605-1627) ने गुजरात में सड़क के साथ 2½ से 3 गज लंबी कुछ दीवारों को देखा तो उसे एहसास हुआ कि

ये थके हारे कुलियों के आराम करने के लिए कितने सुलभ हैं। वह आसानी से सामान दीवार पर रख सकता है और फिर आसानी से बिना किसी की सहायता के अपने सामान को उठाकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ सकता है। जहाँगीर को यह व्यवस्था बहुत पसंद आई और पूरे शहर में सरकारी खर्चे से ऐसी दीवारों के निर्माण करने का आदेश दिया।

टिप्पणियाँ

## 5.2 परिवहन और पर्यटन के बीच संबंध

रोज़गार उद्यम अवस्थापना और राजस्व आय के निर्माण से किसी भी क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। यह भूमिका उद्यम आधारिक संरचना, रोज़गार तथा राजस्व आय में वृद्धि द्वारा होती है। पर्यटन को निश्चित रूप से बुनियादी अवस्थापना संघटकों के एकीकृत विकास की आवश्यकता होती है और परिवहन उनमें से एक है। परिवहन का पर्यटन क्षेत्र में एक प्रमुख स्थान है और यह सामाजिक-आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण संचालक है। यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि परिवहन के बिना पर्यटकों का पर्यटन स्थलों की यात्रा करना असंभव होगा। यह निवास स्थान से गंतव्य स्थान के बीच आवश्यक संपर्क प्रदान करता है। यह अवकाश में यात्रा करने वाले, व्यापार यात्रियों, दोस्तों और रिश्तेदारों के यहाँ आने-जाने वाले लोगों और शैक्षिक और स्वास्थ्य पर्यटन में संलग्न लोगों को यात्रा संबंधी सुविधाएँ प्रदान करता है। पिछले कुछ वर्षों में, पर्यटन के कारण विकास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते आर्थिक क्षेत्रों में से एक है। परिवहन प्रणाली में नवीन परिवर्तनों के कारण पर्यटन की प्रौढ़ता और प्रतिरूप बदल रहे हैं। आज हमें यात्रा के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और सस्ते परिवहन की आवश्यकता है। सन् 2015 में युनाइटेड नेशन वर्ल्ड टूरिस्ट आर्गेनाइजेशन (यूएनडब्ल्यूटीओ) 4.4% वृद्धि रिकार्ड की थी जो बढ़कर 1,184 मिलियन यात्री हो गई है। बड़ी संख्या में यात्रियों के यात्रा करने का प्रमुख कारण सड़क, हवाई तथा जल परिवहन के द्वारा ही संभव हो पाया है। भारत में, नीति आयोग के अनुसार रोज़गार के अवसर प्रदान करने के दृष्टिकोण से पर्यटन उद्योग देश का दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। अधिकांश अर्द्ध-कुशल श्रमिक पर्यटन उद्योग की सहायक गतिविधियों में लगे हुए हैं।

## 5.3 पर्यटक परिवहन की विशेषताएँ

परिवहन की अच्छी संरचना/नेटवर्क देश के आर्थिक विकास और विकास को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। द्रुतगति से जीवन में होने वाले बदलावों के कारण लोगों के पास समय की कमी है। वे कम से कम समय में ज़्यादा से ज़्यादा गंतव्य स्थानों पर जाना चाहते हैं। नए उपयुक्त परिवहन के साधन जैसे विमान, तीव्र गति की रेल, शताब्दी, राजधानी और दूरंतों के आविष्कार के साथ-साथ दिल्ली से आगरा की एक्सप्रेसवे जैसी अच्छी सड़कें आदि सभी पर्यटन क्षेत्र को एक नवीन रूप प्रदान कर रहे हैं। यात्रा एवं पर्यटन के दृष्टिकोण से परिवहन के सभी प्रकार के साधनों की अपनी विशेषताएँ हैं। अब आप इन परिवहन के साधनों की विशेषताओं के बारे में पढ़ेंगे।

टिप्पणियाँ

## (क) सड़क परिवहन की विशेषताएँ

- सड़क परिवहन मूलत: विभिन्न स्थानों तथा लोगों को जोड़ने का कार्य करता है। इसके अनेक लाभ हैं जैसे यातायात में लचीलापन, विश्वसनीयता, रफ़्तार, अल्पमूल्य आदि।
- यह पर्यटकों का अंतिम गंतव्य स्थान तक ले जा सकता है।
- अच्छे सड़क मार्ग नेटवर्क के विकास में दोनों राष्ट्रीय और राज्य मार्गों का महत्वपूर्ण स्थान है। फ्लाईओवर और सड़कों की बेहतर स्थिति ने पूरे विश्व में यात्रा तथा पर्यटन को बढ़ाने में मदद की है।
- विभिन्न प्रकार के सड़क वाहन प्रयोग में लाए जाते हैं जैसे कार, टैक्सी, कोच, बसें और जीप। ये सभी रेल, हवाई और जल परिवहन को एक दूसरे से जोड़ते हैं।

## (ख) रेल परिवहन की विशेषताएँ

लंबी दूरी की यात्रा के लिए रेलमार्ग सबसे ज़्यादा उपयुक्त एवं सस्ता परिवहन का साधन है। सड़क परिवहन की अपेक्षा दूरी के लिए यह बहुत सस्ता और आरामदायक है। व्यापार, शिक्षा, सैर-सपाटा, तीर्थयात्रा, अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने के उद्देश्य से अधिक संख्या में लोग एक साथ देश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर यात्रा कर सकते हैं। इसमें विभिन्न श्रेणियों के कोच शामिल हैं जैसे सामान्य, स्लीपर, वातानुकूलित क्लास, वातानुकूलित कुर्सीयान आदि। रेलवे देश के लगभग सभी हिस्सों में पर्यटकों की आवाजाही के लिए बुनियादी ढाँचा प्रदान करता है। आधुनिक समय में उच्च गति वाली ट्रेनों के आगमन के साथ-साथ विभिन्न सुविधाएँ जैसे रिफ्रेशमेंट, बर्थ, खाना, इंटरनेट और वाशरूम आदि रोचक विकास शामिल हैं। इससे यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

## (ग) जल परिवहन की विशेषताएँ

- 20वीं सदी के मध्य तक विदेशों में यात्रा करने का मुख्य साधन पानी के जहाज थे। नाव का प्रारंभिक प्रकार राफ्ट था जिसे घास, लकड़ी तथा अन्य हल्की सामग्री से बनाया जाता था। अब नाव और जहाज़ों की गुणवत्ता में बहुत सुधार हुआ है। दुनिया के अधिकांश खोज जल परिवहन के द्वारा ही किए गए हैं। यह इस बात से स्पष्ट है कि क्रूस के द्वारा पर्यटन दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है और इसमें उत्कृष्ट संभावना है।
- पूरे विश्व में जल आधारित परिवहन के साधन जैसे झील, नदियाँ, नहरे, बाँध, समुद्र आदि बहुत महत्वपूर्ण हैं।

## (घ) हवाई परिवहन की विशेषताएँ

- विश्व स्तर पर, सड़क के बाद हवाई यात्रा दूसरा सबसे लोकप्रिय परिवहन का साधन है। यह परिवहन का सबसे तेज साधन है। इसके द्वारा कुछ ही घंटों में हजारों किलोमीटर की

दूरी तय करके अपने लक्ष्य तक पहुँचा जा सकता है। हवाई यातायात ने पूरी दुनिया के राष्ट्रों को जोड़ रखा है। इस परिवहन के साधन ने पूरी दुनिया को एक वैश्विक गाँव बना दिया है। यह परिवहन दुर्गम पहाड़ों, घने जंगलों, दलदल भूमि, बाढ़ग्रस्त इलाकों, गरम और ठंडे रेगिस्तानों जैसी ज़मीनी बाधाओं से मुक्त है।

- तीव्र गति, समय की बचत और शानदार यात्रा प्रदान करना हवाई परिवहन की महत्वपूर्ण विशेषता है। यह सुविधाजनक, आरामदायक और आनंदपूर्ण परिवहन का साधन है।

टिप्पणियाँ

## 5.4 भारत में परिवहन के साधन

भारत भौगोलिक विविधता वाला एक विशाल देश है। यहाँ भाषा में बहुलता के साथ अद्भुत धार्मिक, सांस्कृतिक, प्रजातीय तथा भौगोलिक विविधता पाई जाती है। भौगोलिक विविधता के तौर पर उत्तर में हिमालय पर्वत से दक्षिण में समुद्री तट और पश्चिम में थार रेगिस्तान से उत्तर-पूर्व के नमी वाले जंगल हैं। यह विविधता अच्छे और बेहतर परिवहन प्रणाली द्वारा जुड़कर सुलभ है। भारत में परिवहन के साधन के रूप में सड़क, रेलवे, जल और हवाई परिवहन जैसे विभिन्न साधन शामिल हैं। यात्रा और पर्यटन के संबंध में इनमें से प्रत्येक का अपना महत्व है। क्षेत्र का भूगोल, दूरी, समय, आराम, सुरक्षा, तुलनात्मक किराए, उपलब्ध सेवाओं आदि के आधार पर परिवहन का चुनाव किया जाता है। रेलवे और सड़क परिवहन का प्रमुख साधन है जो देश में कुल यातायात का 95 प्रतिशत से ज़्यादा वहन करते हैं। अन्य साधन जैसे तटीय जहाज और अंतर्देशीय जल परिवहन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यात्रा और पर्यटन में लगे परिवहन को निम्नलिखित चार श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है।

(i) सड़क परिवहन

(ii) रेल परिवहन

(iii) हवाई परिवहन

(iv) जल परिवहन

### (i) सड़क परिवहन

सड़क परिवहन कम दूरी के लिए परिवहन का बहुत महत्वपूर्ण साधन है। यह देश के लोगों और जगहों को जोड़ता है। यह बाज़ारों, सांस्कृतिक केन्द्रों, धार्मिक स्थानों, ऐतिहासिक स्थलों, गाँवों और शहरों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ता हैं।

### (अ) राजमार्ग

राजमार्ग और जिला सड़कें ज़्यादातर देश में मुख्य पर्यटक केंद्रों को जोड़ती है। सड़क पर विभिन्न साधनों जैसे कार, टैक्सी, कोच, बस, ऑटोरिक्शा आदि चलते हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) मुख्य सड़कें है जो विभिन्न राज्य की राजधानी को देश के मुख्य शहरों से जोड़ती है। राष्ट्रीय राजमार्ग

की कुल लंबाई 70934 किलोमीटर है जो सड़कों के जाल (नेटवर्क) का मात्र दो प्रतिशत है परंतु वे सड़क आधारित कुल माल का 40 प्रतिशत की ढुलाई करती है। भारत में विभिन्न लंबाई के 23 राष्ट्रीय राजमार्ग हैं। हाल के समय में भारत में सड़क परिवहन को तीव्र और कुशल बनाने के लिए बहुत से एक्सप्रेसवे और फ्लाईओवर का निर्माण हुआ है। यात्रा का समय और अवरूद्ध यातायात में बहुत कमी आई है। इससे सामान्यतया लोगों की आवाजाही को बढ़ावा और विशेष तौर पर पर्यटन की गतिविधि में विकास हुआ है। पहला एक्सप्रेसवे मुम्बई और पुणे के बीच बना। यमुना एक्सप्रेसवे दुनिया में प्रसिद्ध आगरा में स्थित ताजमहल को दिल्ली से मिलाता है। शहरी इलाकों में निर्मित फ्लाईओवर आवागमन के सुचारू संचालन के लिए चौराहों पर ट्रैफिक के दबाव को कम करता है। दिल्ली को फ्लाईओवर वाले शहर के नाम से जाना जाता है। इससे दिल्ली में प्रदूषण को कम करने तथा यात्रा को सुगम बनाने में मदद मिली है।

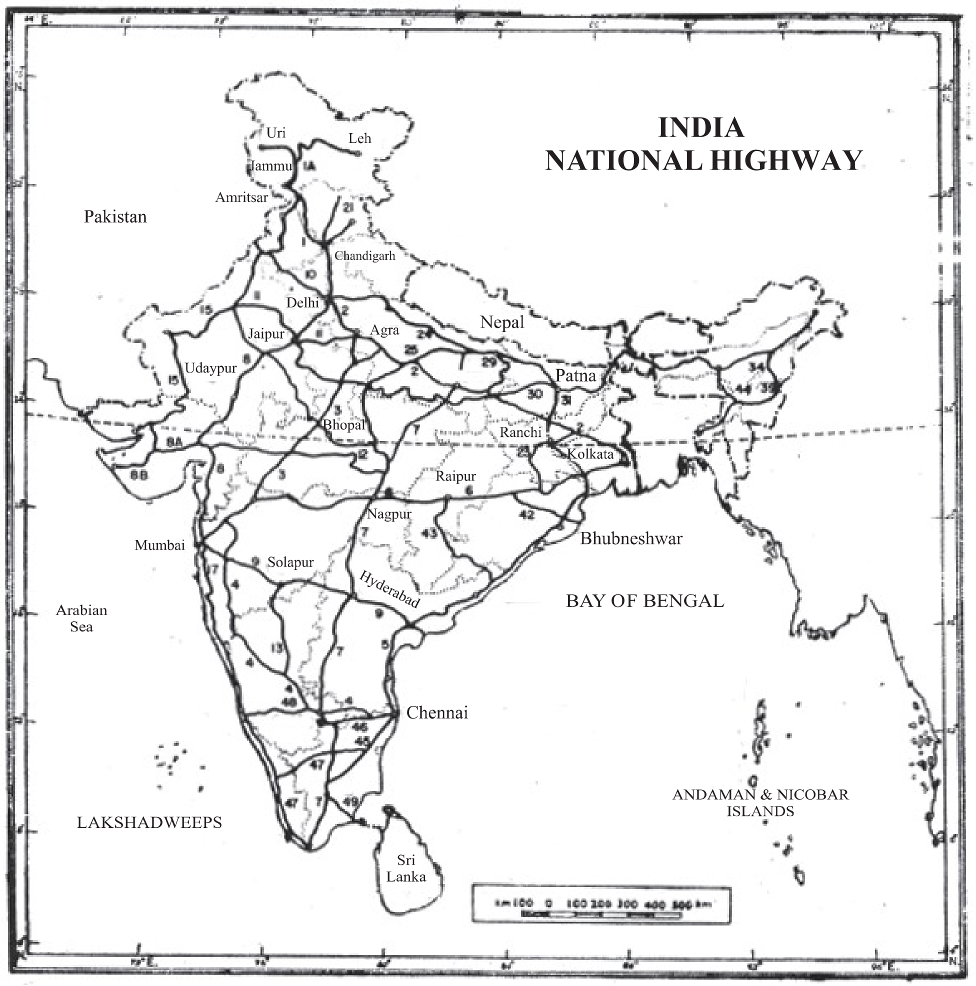


चित्र 5.2: भारत के मुख्य राजमार्ग

टिप्पणियाँ

### (ब) सुपर राजमार्ग

भारत में स्वर्णिम चतुर्भुज चार प्रमुख नगरों, दिल्ली, मुम्बई कोलकाता और चेन्नई को जोड़ता है। देश की उत्तर-दक्षिण और पूरब-पश्चिम गलियारा (7300 कि.मी.) भारत के लंबाई और चौड़ाई में जोड़ता है। उत्तर-दक्षिण गलियारा उत्तर में श्रीनगर तथा दक्षिण में कन्याकुमारी को जोड़ता है। पूर्व-पश्चिम गलियारा पूर्व में सिलिचर तथा पश्चिम में पोरबंदर को जोड़ता है। स्वर्णिम त्रिभुज तीन शहरों दिल्ली, आगरा और जयपुर को जोड़ता है। त्रिकोणीय आकार के कारण इसे स्वर्णिम त्रिभुज कहते हैं। यह मार्ग विदेशी और घरेलू यात्रियों में बहुत प्रसिद्ध है। ज़्यादतर यात्री दिल्ली से ताजमहल (आगरा) और फिर जयपुर और उसके आसपास रेगिस्तान की यात्रा करते हैं। यह परिपथ (परिधि) लगभग 1000 किमी. लंबा है। इसके अतिरिक्त एक और भी स्वर्णिम त्रिकोण है जो पुरी, कोणार्क और भुवनेश्वर शहरों को जोड़ता है। यह पूर्वी भारत में स्थित है।

### (स) सड़क

राज्य राजमार्ग राज्य के राजधानी को जिला मुख्यालयों, राज्य के अंदर आने वाले अन्य महत्वपूर्ण कस्बों और शहरों को जोड़ता है। मुख्य जिला सड़कें यातायात को मुख्य सड़क से लेती है। यह देश में पर्यटन के विकास एवं वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देता है। जिला और ग्राम सड़कों की उपलब्धता ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दे रही हैं। अंर्तराज्यीय बस प्रणाली अच्छी तरह से विकसित होती है और बसों की गुणवत्ता में भी भिन्नता होती है। विभिन्न प्रकार के बस, टैक्सी, ऑटोरिक्शा आदि उपलब्ध होते हैं जो साधारण से सेमी-डीलक्स, डीलक्स, वॉल्वो, पूरी तरह से वातानुकूलित आदि तक उपलब्ध होते हैं। स्वर्णिम चतुर्भुज चार प्रमुख नगरों दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता और चेन्नई को जोड़ता है। स्वर्णिम त्रिभुज उत्तर भारत में तीन नगरों दिल्ली, आगरा और जयपुर को जोड़ता है।

**तालिका 5.1: भारत में सड़कों की स्थिति**

| सड़कों के प्रकार | लंबाई |
|---|---|
| • एक्सप्रेसवे | 950 किमी. |
| • राष्ट्रीय राजमार्ग | 66,590 किमी. |
| • राज्य राजमार्ग | 131,899 किमी. |
| • मुख्य जिला सड़क | 467,763 किमी. |
| • ग्रामीण एवं अन्य सड़क | 2,650,000 किमी. |
| • एकल लेन/मध्यम | 32% |
| • दोहरी लेन | 56% |
| • चार या अधिक लेन | 12% |
| • कुल लंबाई | 3,300,350 किमी. |

**स्रोत:** भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

**(ii) रेल परिवहनः** भारतीय रेल मार्ग पब्लिक और यात्रियों के लिए यातायात का मुख्य साधन है। यह विभिन्न क्षेत्रों से व्यापार, भ्रमण, धर्म, शिक्षा आदि उद्देश्यों से लोगों को एक साथ लाता है। भारतीय रेल मार्ग ने पिछले 160 वर्षों से लोगों की एकजुटता के लिए अहम भूमिका निभायी है। यह देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एशिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा रेल मार्ग नेटवर्क है और दुनिया में यूएसए, रूस और चीन के बाद चौथा। भारत यात्रियों को प्रति किलोमीटर ढ़ोने के दृष्टिकोण से दुनिया के प्रमुख देशों में सबसे ऊपर है। वर्ष 2008-09 के दौरान यात्रियों की संख्या 6,920 मिलियन थी जो कि वर्ष 1950-51 में मात्र 1,284 मिलियन थी। यह 60 साल से भी कम समय की अवधि में लगभग 5.5 गुना की वृद्धि दर्शाती है। ज़्यादातर घरेलू यात्री लंबी दूरी की यात्रा के लिए मुख्य रूप से रेल मार्ग पर ही निर्भर करते हैं। रेल मंत्रालय यात्रियों की जरूरतों में सुधार के लिए सकारात्मक प्रयास कर रहा है जैसे तीव्र गति की ट्रेनों की वृद्धि, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा।

### (अ) पर्यटन को बढ़ावा देने वाली ट्रेनें

भारतीय रेलवे पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कुछ विशेष ट्रेनें चला रही है जैसे टॉय ट्रेन, पैलेस ऑन व्हील्स, फेरी क्वीन, हेरिटेज ऑन व्हील्स, भारत दर्शन ट्रेन, ट्रेन ऑफ दार्जिलिंग, दक्षिण भारत की नीलगिरी माऊंटेन रेल और कालका-शिमला रेल ने यूनेस्कों (यूएनईएससीओ) की वर्ड हेरिटेज की लिस्ट में अपना स्थान बना लिया है।

पैलेस ऑन व्हील्स एक राजसी ट्रेन है जो राजस्थान, दिल्ली और आगरा के मुख्य पर्यटक स्थलों को शामिल कर सात दिनों का पैकेज टूर प्रदान करता है। इसके डिब्बों में विलासिता पूर्ण सेवाएँ हैं। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों में बहुत लोकप्रिय है। जो इस क्षेत्र की दर्शनीय स्थलों का आनंद लेना चाहते हैं वे विलासितापूर्ण यात्रा और स्वादिष्ट भोजन का आनंद एक साथ लेते हैं।

फेरी क्वीन ट्रेन में सबसे पुरानी भाप लोकोमोटिव इंजन है। यह दिल्ली से चलती है और अलवर में रूकती है। वहाँ मेहमानों को सरिस्का टाइगर रिजर्व जंगल में पूरी रात रूकने के लिए ले जाया जाता है।

हेरिटेज ऑन व्हील्स राजस्थान के छोटे शहरों को मिलाने वाली लक्ज़री ट्रेन है जिसमें बीकानेर, गजनेर, नवलगढ़, मनड़वा, रामगढ़ और शेखावटी शामिल हैं। यह एक लक्ज़री ट्रेन है जिसमें 14 सैलून शामिल हैं। राजस्थान की विरासत और संस्कृति को ध्यान में रखकर सभी सैलून को डिजाइन किया गया है।

भारत दर्शन एक विशेष पर्यटक ट्रेन है। यह देश में लगभग सभी महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों को समाविष्ट करती है। टूर पैकेज के अंतर्गत सभी पर्यटकों के लिए आवास की व्यवस्था की जाती है। दर्शनीय स्थल का दौरा करने के लिए पर्यटक बसें, रात्री आवास के लिए हॉल व आवास व्यवस्था, जानकारी प्रदान करने के लिए गाइड जैसी सुविधाएँ भी शामिल होती हैं।

टिप्पणियाँ

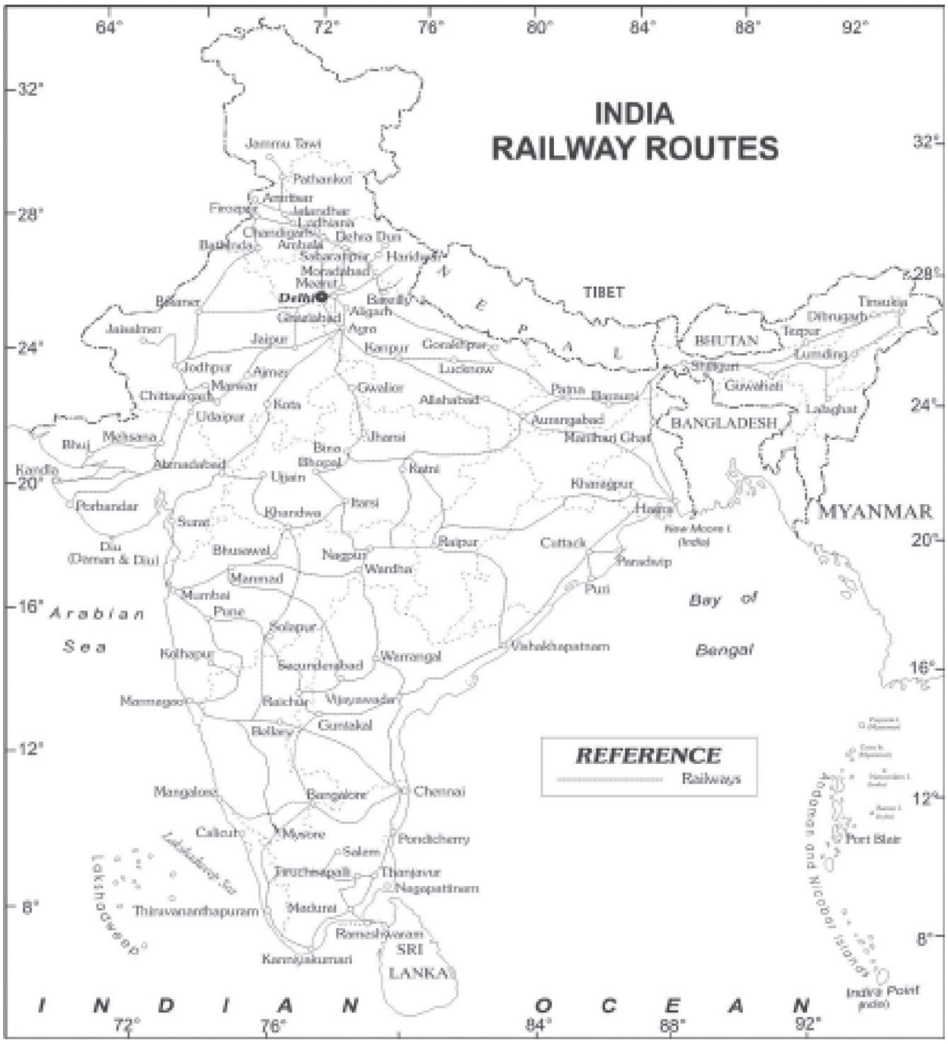


चित्र 5.3: भारत में रेल मार्ग

## (ब) मैट्रो ट्रेन और ट्राम

कुछ हद तक दिल्ली मैट्रो रेल ने शहर में यातायात की समस्याओं को सुलझाने में महत्वपूर्ण असर दिखाया है। यह पूरी तरह से वातानुकूलित, सुरक्षित और साफ़-सुथरा है। यह प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए कनेक्टिविटी उपलब्ध कराती है और यात्रियों को आरामदायक यात्रा प्रदान करती है।

ब्रिटिश समय से कोलकाता शहर में ट्राम चल रही है। ट्राम स्थानीय यात्रियों के साथ-साथ पर्यटकों को भी रोज आरामदायक और सस्ती यात्रा प्रदान करती है। कोलकाता ट्राम मार्ग में बहुत से विशिष्ट विशेषताएँ हैं। यह ट्राली पोल और पैर घंटा का उपयोग करता है जो अंतरराष्ट्रीय ट्राम प्रणाली में नहीं होता है।

### (iii) हवाई परिवहन

हवाई परिवहन का उपयोग लंबी दूरी के पर्यटकों और उनके सामानों को ले जाने के लिए किया जाता है। पर्यटन के विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वैश्विक स्तर पर हवाई परिवहन की माँग बढ़ रही है। इसके द्वारा विश्व में किसी भी स्थान की यात्रा 24 घंटे में पूरी की जा सकती है। यात्रियों के आराम के लिए ज़रूरी मूलभूत सुविधाओं को हवाई अड्डा प्रदान करता है। भारत सरकार दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डे को उन्नत और आधुनिकीकरण करने में बहुत बड़ी राशि खर्च कर रही है। करीब 97 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय पर्यटक भारत में हवाई परिवहन द्वारा आते हैं। दिल्ली और मुंबई 70 प्रतिशत से अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए मुख्य प्रवेश मार्ग है।

अब सभी 16 नामांकित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर पर्यटक चार्टर विमान द्वारा उतर सकते हैं। ये हवाई अड्डे अहमदाबाद, आगरा, अमृतसर, बैंगलूरू, कोलकाता, चेन्नई, कोचीन, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, मुंबई, तिरूवनन्तपुरम, वाराणसी और पोर्ट ब्लेयर में हैं। बहुत-सी पब्लिक और प्राइवेट हवाई यात्रा एजेंसी कम बजट में ज़्यादा से ज़्यादा यात्रियों को आकर्षित करने के लिए रियायती टिकट का विशेष पैकेज देती हैं।

### (iv) जल परिवहन

सिंधु घाटी सभ्यता के समय से ही नदियों को वस्तुओं और मानव के परिवहन हेतु प्रयोग किया जाता है। पर्यटन के संदर्भ में जल परिवहन के तीन प्रमुख आयाम हैं:

(i) तटीय जल यात्रा

(ii) अंतर्देशीय जल मार्ग

(iii) समुद्र परिवहन

भारत के पूर्व में बंगाल की खाड़ी पश्चिम में अरब सागर और दक्षिण में हिंद महासागर हैं। मुख्य स्थल भाग की कुल जलीय सीमा के साथ लक्ष्यद्वीप एवं अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह के कुल जल सीमा की लंबाई लगभग 7500 किमी. है। हमारे देश में अंतर्देशीय जलमार्ग और समुद्री बंदरगाह का बहुत बड़ा विस्तार है। अंतर्देशीय जल मार्ग में नदियाँ, नहरें, बैकवाटर और संकरी खाड़ियाँ शामिल हैं। हमारे देश में 12 प्रमुख बंदरगाह तथा 185 गैर-प्रमुख बंदरगाह हैं। भारत के पश्चिमी तट पर कंडला, पोरबंदर, मुंबई, जवाहरलाल नेहरू (महाराष्ट्र) मारमागाँव, मैंगलौर और कोची बंदरगाह हैं। पूर्वी तट पर तूतीकोरिन, नागापट्टीनम, चेन्नई, विशाखापट्टनम, पारादीप, हल्दीया और कोलकाता बंदरगाह हैं। सभी तटीय राज्यों में कम से कम एक प्रमुख बंदरगाह है। गुजरात, महाराष्ट्र तथा पश्चिमी बंगाल में दो-दो प्रमुख बंदरगाह है। तमिलनाडु राज्य में तीन प्रमुख बंदरगाह हैं।

भारत में कुल परिवहन का मात्र एक प्रतिशत जल मार्ग द्वारा परिवहन होता है जबकि विभिन्न नदियों को मिलाकर यात्रा योग्य अंतर्देशीय जलमार्ग 14500 किमी. का है। इसमें से कुल 3700 किमी. मार्ग मशीन वाले नाव और स्टीमर के लिए उपयुक्त है। भारत में तीन प्रमुख राष्ट्रीय जल

मार्ग हैं। ये इलाहाबाद से हल्दीया (1620 किमी.), सादीया से धूबरी (891 किमी.) और कोट्टापुरम से कोलम (205 किमी.) है। ये जलमार्ग भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इसलिए ये भारत में यात्रा और पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा देते हैं।

चित्र 5.4: भारत में हवाई और समुद्री मार्ग

जल परिवहन का प्रयोग पश्चिम बंगाल पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए भी किया जाता है। पश्चिम बंगाल पर्यटन विभाग ने पर्यटकों को सुंदरवन तक ले जाने के लिए विशेष कार्यक्रम पेश किया है। गोवा पर्यटन विभाग पर्यटकों के लिए आधे या पूरे दिन की समुद्री यात्राओं का आयोजन करता है। पर्यटकों को गंगा, ब्रह्मपुत्र और हुगली नदियों पर क्रूज पर्यटन का बहुत अधिक आनंद

टिप्पणियाँ

आता है। नदी राफ्टिंग पहले से ही ऋषिकेश और हरिद्वार के बीच चल रही है। झीलें और बैकवाटर्स जैसे केरल में वेम्बानाड झील, कश्मीर में डल झील, नैनिताल में नैनी झील, माऊंट आबू में नक्की झील, ओडिसा में चिलका झील आदि बहुत ज़्यादा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। घूमने आने वाले पर्यटकों को लक्ष्यद्वीप और अण्डमान निकोबार द्वीप पर नाव और जहाज़ से ले जाया जाता हैं। वहाँ उनके लिए भिन्न प्रकार की मनोरंजक क्रियाकलाप की व्यवस्था की जाती है।

## 5.5 पर्यटक को प्रोत्साहित करने के लिए परिवहन

परिवहन पर्यटन के एक अभिन्न अंग के रूप में कार्य करता है जो पर्यटक के उद्‌गम और गंतव्य क्षेत्रों को जोड़ता है। परिवहन व्यवस्था की क्षमता पर्यटक प्रवाह की गति को निर्धारित करती है। परिवहन व्यवस्था की क्षमता में वृद्धि के अलावा आराम का प्रावधान, सुरक्षित रूप से काफी तेज गति, टिकट में छूट और हल्के अल्पाहार पर्यटन को प्रोत्साहित करते हैं। यह पर्यटन क्रियाकलापों को उस क्षेत्र में बढ़ावा देते हैं। कभी-कभी परिवहन सेवाओं में अच्छा या बुरा अनुभव पूरे जीवन के लिए पर्यटकों के दिमाग पर छाप छोड़ देते हैं। अत: यह स्पष्ट है कि पर्यटन के वृद्धि और विकास के लिए पर्यटक परिवहन प्रणाली बहुत आवश्यक है।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपाय भी आवश्यक हैं :

i. पर्यटन स्थल की दूरी और किराया के बारे में स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए। इसके साथ ही समय-सारिणी भी दी जानी चाहिए। यात्रा को जोड़ने वाली बस, रेल और हवाई जैसे साधनों की स्पष्ट सूचना आवश्यक रूप से दिया जाना चाहिए।

ii. आगमन और प्रस्थान की नवीनतम जानकारी पूछताछ कार्यालय, इंटरनेट और टेलिफोन पर उपलब्ध होनी चाहिए।

iii. वरिष्ट और दिव्यांग पर्यटकों से अच्छा व्यवहार करना चाहिए।

iv. सड़क, रेलवे स्टेशनों और हवाई टर्मिनलों पर मानक सूचक और प्रतीकों की एक प्रणाली विकसित और स्थापित की जानी चाहिए।

v. पर्यटन परिवहन में बुनियादी ढ़ांचों का निर्माण और सुधार किया जाना चाहिए।

vi. पर्यावरण के अनुकूल परिवहनों को विकसित किया जाना चाहिए।

vii. सभी टर्मिनल और स्टेशन साफ़ सुथरे और स्वच्छ होने चाहिए।

viii. जो लोग पर्यटकों को गुमराह और धोखा देते हैं उनके खिलाफ़ सख्त कदम उठाने चाहिए।

ix. पर्यटक पुलिस मदद के लिए होनी चाहिए, खासतौर से महिला पर्यटकों के लिए।

### क्रियाकलाप 5.1

किसी भी पर्यटक स्थल पर जाइए और कुछ पर्यटकों से मिलिए। उन्हें किन कठिनाईयों का सामना करना पड़ा उसके बारे में पूछिए। पर्यटन परिवहन प्रणाली में सुधार के लिए उनसे सुझाव प्राप्त कीजिए।

टिप्पणियाँ

## पाठगत प्रश्न 5.1

1. परिवहन के विभिन्न प्रमुख साधन क्या है?
2. भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने वाली विशेष ट्रेनों के बारे में संक्षेप में लिखिए।
3. पर्यटकों द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले हवाई और जल परिवहन के बीच अंतर बताइए।
4. अच्छी यातायात प्रणाली के लिए कोई चार सुझाव दीजिए।

## आपने क्या सीखा

- पर्यटन की वृद्धि और विकास के लिए परिवहन का विकास ज़रूरी है। यह वहाँ पहुँचने के लिए पर्यटकों को सुगम्यता प्रदान करता है। किसी भी क्षेत्र में कम सुगम्यता पर्यटन को बाधित करती है।
- परिवहन न केवल पर्यटन के लिए अपितु आर्थिक विकास के लिए भी रीढ़ की हड्डी है। विभिन्न पर्यटन स्थलों के बीच अच्छी कनेक्टिविटी प्रदान करना पर्यटकों को आकर्षित करती है।
- आर्थिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में पर्यटक भिन्न हैसियत वाले होते हैं। इसलिए पर्यटकों को गंतव्यों तक पहुँचाने के लिए प्रत्येक प्रकार के विकल्प उपलब्ध होने चाहिए।
- किसी भी क्षेत्र में उपलब्ध सुविधा वहाँ प्रदत्त प्रावधानों पर निर्भर करती है। अत: क्षेत्र और आवश्यकताओं के आधार पर परिवहन प्रणाली चार प्रकार की हैं:
  1. सड़क परिवहन
  2. रेल परिवहन
  3. हवाई परिवहन
  4. जल परिवहन
- ये सारी परिवहन सुविधाएँ भिन्न हैं और भिन्न-भिन्न विशेषताएँ प्रदान करती हैं।
- हवाई परिवहन सबसे तीव्र साधन है जो लोगों को बहुत जल्दी दूर गंतव्य स्थान तक ले जा सकती है लेकिन यह अन्य तीन साधनों की अपेक्षा ज़्यादा महँगी है।
- रेल परिवहन ज़्यादा सुविधाजनक है, यदि ज़्यादा सामान के साथ ज़्यादा दूरी तय करनी हो। यह सस्ती और बहुत से लोगों को एक साथ ले जा सकती है।
- सड़क परिवहन घर-घर तक सेवा प्रदान करती है। यहाँ तक कि यह अन्य परिवहन साधनों जैसे रेल, हवाई और जल मार्ग के साथ भी जोड़ती है।
- जल परिवहन लोगों/पर्यटकों को रोमांच देता है। ऐसे पर्यटकों के परिभ्रमण की व्यवस्था किया जाता है। यह सबसे सस्ता साधन है लेकिन यह ज़्यादा समय लेता है और कम ऊर्जा उपभोग करता है। बहुत ज़्यादा भारी सामान बहुत आसानी से कम पैसा देकर पहुँचाया जाता है। आजकल क्रूज यात्राएँ बहुत लोकप्रिय हो रही हैं।

टिप्पणियाँ

## पाठांत प्रश्न

1. पर्यटन को बढ़ावा देने में यातायात के साधन का विश्लेषण कीजिए।
2. पर्यटक यातायात के विभिन्न साधनों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
3. भारत में पर्यटन विकास में भारतीय रेल की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
4. भूमंडलीकरण के युग में पर्यटन उद्योग को हवाई यातायात कैसे वृद्धि कर रहा है?

## पाठगत प्रश्नों के उत्तर

### 5.1

1. एक साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर व्यक्ति और सामान का स्थानांतरण परिवहन है। यह पर्यटन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह विभिन्न स्थानों और लोगों के बीच अभिगम्यता प्रदान करता है। परिवहन के चार प्रमुख साधन हैं: 1. सड़क परिवहन, 2. रेल परिवहन, 3. हवाई परिवहन और 4. जल परिवहन। सड़क परिवहन के बहुत से लाभ हैं जैसे – लचक, विश्वसनीयता, गति और परिवहन के अन्य साधनों की अपेक्षा तत्पर एवं सस्ती है। सड़क परिवहन रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डा और बंदरगाह तक पहुँचने का मार्ग प्रदान करती है। विभिन्न प्रकार के सड़क वाहन जैसे कार, टैक्सी, कोच, बसें और जीप प्रयोग में लाए जाते हैं।

2. भारत में बहुत-सी विशेष ट्रेनें हैं जो देश में पर्यटन को बढ़ावा देती हैं। उनमें से कुछ टॉय ट्रेन, पैलेस ऑन व्हील्स, महाराजा एक्सप्रेस, डेक्कन ओडेसी, महापरिनिर्वाण है।

3. हवाई जहाज व्यक्तियों और पर्यटकों को वायु से परिवहन करता है। हवाई परिवहन पर्यटकों और उनके सामानों को लंबी दूरी तक ले जाने में प्रयोग होता है। यह दुनिया के किसी भी स्थान पर 24 घंटों के अंदर आसानी से पहुँच सकता है। जल परिवहन, नदी, झील, नहर, समुद्र आदि द्वारा संभव है। यह बहुत सस्ता है लेकिन यह हवाई परिवहन की अपेक्षा अधिक समय लेता है।

4. (अ) पर्यटन स्थलों की स्थिति, दूरी तथा किराये के बारे में स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए।

   (ब) परिवहन के आने और जाने एवं समय-सारिणी के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

   (स) पर्यटक परिवहन के मूलभूत ढ़ाँचे का सुधार और विकास होना चाहिए।

   (द) प्रणाली के मानक चिह्नों और प्रतीकों को विकसित करना चाहिए और सड़कों, रेलवे स्टेशनों और हवाई टर्मिनल पर स्थापित करना चाहिए।